कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट - 10

15 जून 2020

राहत अम्फान और राहत निसर्ग: COVID के समय में

अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल के लोगो को अत्यधिक प्रभावित किया है, विशेष रूप से सुंदरबन क्षेत्र में जहाँ दुनिया में सबसे अधिक मैन्ग्रोव (कच्छीय वनस्पति) पाए जाते है। हाल ही में निसर्ग चक्रवात ने महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया है। मात्र इन दो आपदाओं से ही एक करोड लोग प्रभावित हो चुके है और अभी मानसून के समय की बाढ़ चौखट पर खड़ी है। हमारा देश और नागरिक इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे है। समय की मांग है की हम बड़े पैमाने पर फिर से कल्पना कर पुननिर्माण शुरू करे। आप जहाँ कही भी है कुछ करना शुरू करे या गूँज द्वारा चल रहे राहत कार्यो में योगदान करे या कुछ और..... बस अपनी ओर से शुरुआत करे...हाथ पर हाथ धरे बैठे ना रहे।

गूँज पश्चिम बंगाल की टीम ने 5000 से अधिक चक्रवात प्रभावित परिवारों को सीधे और स्थानीय सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से राहत पहुंचाई है। हमारी महाराष्ट्र टीम पहले से ही प्रभावित क्षेत्रो में राहत और पुनर्वास कार्य में जुटी है।

हम वहाँ कार्यरत है... आपका सहयोग भी चाहिए।

कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां :

- 24 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशो में कार्यरत।
- 19 लाख किलो से अधिक राशन तथा अन्य जरुरी सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।
- 1,00,000 किलो से अधिक सब्ज़िया तथा फल स्थानीय किसानो से खरीदा गया।
- स्वास्थ्य रक्षा संबंधी पहल: 3,20,000 फेस मास्क बनाए गए।
- 470 से अधिक सब्ज़ी बागान लगाए गए।

1. अभावों को भरना

राहत कार्यो की पहुंच: गूँज द्वारा सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रो में प्रभावित परिवारों के लिए आवश्यक सामग्री के रूप में राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। तिरपाल, खुली खाद्य सामग्री आदि के अलावा 5000 से अधिक राहत किट दाक्षिण 24 परगना जिले में पहुंचाए गए है। हाल ही में आसपास के राज्यों से लौटे अधिकांश प्रवासी मजदूरों की हालत इस चक्रवात के कारण बेहद खराब हुई है।

रोशन करना : घरो के तबाह और बिजली के खम्बो के गिर जाने के कारण अँधेरी रात और सर्पदंश का डर बना हुआ था, लेकिन झारखाली क्षेत्र में सोलर लाइट की पहुंच ने उनकी ज़िन्दगी को कुछ हद तक आसान बना दिया है। इस मछुआरा बहुल समुदाय में लोग अब रात में भी मछली पकड़ने के लिए बाहर निकलने लगे है।

मासिक धर्म स्वछता में सहयोग: हमारी टीम प्रभावित क्षेत्रो में महिलाओ तक पहुंच रही है, उनकी मासिक धर्म सम्बंधित चुनौतियों को समझने के लिए सत्र आयोजित कर रही है। इस बुनियादी जरुरत के लिए माय पैड, स्वच्छ कपड़ो से बने पैड पहुँचाने के साथ ही उन्हें मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही।

2. डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) पहल

दान से सम्मान की ओर बढ़ते हुए, गूँज राहत सामग्री किट को लोगो को एकत्रित एवं प्रोत्साहित करने में उपयोग कर रहा है। तथा जलमग्न सुंदरबन के बड़े हिस्से में लोगो को अपनी नदी (बांधो) की मरम्मत करने में सक्षम बना रहा है। हमारी टीम द्वारा प्रेरित किये जाने पर सैकड़ो लोग अपने खारे पानी से भरे जल निकायों और कृषि भूमि को साफ करने के लिए डिग्निटी फॉर वर्क पहल के तहत एकजुट हुए।

3. सहयोगी संस्थायें

वर्तमान में इस 3 जिलों; उत्तर और दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदनीपुर में अपने 11 जमीनी स्तर की संस्थाओं के साथ काम कर रहे है - एक दूसरे के संसाधनों रसद, स्थानीय ज्ञान की पूरकता करते हुए हम समुदायों से जुड़ रहे है ताकि प्रभावित समुदायों तक राहत जल्द पहुंच सके।

राहत कोविद कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुंची तत्काल राहत सहायता

- 19 लाख किलो राशन तथा अन्य आवश्यक सामग्री, राशन किट 1,25,000 से अधिक **परिवारों तक पहुंचाई गयी।**
- 1,42,000 **से अधिक तैयार भोजन लोगो तक पहुंचाया गया।**

स्थानीय सामुदायिक रसोइयों को सहयोग

- 25 सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से 1,77,000 से अधिक भोजन तैयार किया गया।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

- 3,20,000 फेस मास्क तथा 1,16,000 से अधिक कपडे से बने सेनेटरी पैड (माय पैड) तैयार किए गए।

अभावो को भरने के प्रयास तथा नेटवर्क की पहुँच बढ़ाना

- 24 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में 330 से अधिक सहभागी संस्थाओ के साथ कार्यो की शुरुआत।
- उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ व्यापक स्तर पर काम।

राहत किट के लिए किसानो से सीधे तौर पर 1,00,000 किलो से अधिक फल और सब्जियाँ खरीदी गयी।

गूँज की किट में 2,25,000 से अधिक आवश्यक वस्तुएँ जोड़ी गयी।

डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) गतिविधिओं की कुल संख्या

- 770 से अधिक गतिविधिया कराई गयी।
- 470 से अधिक सब्जी बागान लगाए गए।
- साफ़/मरम्मत/निर्मित किया गया जल संसाधनों का कुल क्षेत्रफल।

1,00,000 वर्ग मी. **से अधिक तालाब।**

19,600 वर्ग मी. **से अधिक रुके हुए पानी को खोलना।**

13,400 वर्ग मी. **से अधिक नहर।**

जमीनी स्तर पर कार्यो की पहल

महाराष्ट्र: गूँज फेलो दत्तात्रे द्वारा प्रोत्साहित करने पर ठाणे जिला के शाहपुर के 14 **ग्रामीणों ने पानी की बारह मास उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वर्षा जल संचयन के लिए गढ्ढे बनाने की दिशा में काम किया।**

ओडिशा: पुरी जिले के मंचीया गाँव में मानसून को ध्यान में रखते हुए गूँज के डिग्निटी फॉर वर्क पहल के तहत 29 **स्थानीय लोगो ने गाँव के** 400 **वर्ग मीटर तालाब की सफाई और उपभोग के लिए उपयुक्त बनाने हेतु एक साथ आए।**

छत्तीसगढ़: राजनंदगाँव जिले के संसारगढ़ गाँव में गूँज टीम के सदस्य प्रहलाद पटेल द्वारा प्रोत्साहित किये जाने पर 23 **स्थानीय लोगो ने सूरन और अरवी की बुआई की। गूँज के डिग्निटी फॉर वर्क पहल के अंतर्गत और सहभागी संस्था समग्र सृष्टि संस्था के सहयोग से नव निर्मित ग्राम तालाब के ऊपरी हिस्से**

पर यह कार्य किया गया। फसल के उच्च पोषण महत्व के चलते, उपज को बाजार में बेचे जाने पर ग्रामीणों को अच्छे लाभ की उम्मीद है।

राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश जहा हम काम कर रहे है।

आँध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरयाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिज़ोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल।

हमारा सहयोग कीजिये

तत्काल आवश्यकता

- थोक रूप में सामग्री सहयोग- https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग के लिये- goonj.org/donate
- यदि आप गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करना चाहते है तो कृपया हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।
- अधिक जानकारी के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखे।

वेबिनार और चर्चाए:

1. गूँज फ़ेलोशिप: संभावनाओ के संसार की एक खोज- https://bit.ly/2Y07neG
2. कोविद का भारतीय संदर्भ में प्रदर्शनऔर हम क्या भूमिका निभा सकते हैं- https://bit.ly/36ZbBY4
3. गूँज की दृष्टि में क्या बेहतर है- https://bit.ly/36YXlyL
4. अम्फान चक्रवात के बाद के परिणाम- https://bit.ly/2XrMQAU

पिछली रिपोर्ट

- 11 मई- समाज के वंचित और कमजोर वर्ग को नजरंदाज़ ना करना।
- 18 मई- गरिमापूर्ण जीवन सबका अधिकार।
- 25 मई- जमीनी स्तर पर 8 प्रयोग।
- 1 जून- COVID महामारी के दौरान अम्फान चक्रवात का सामना।
- 8 जून- दान नहीं, सम्मान के साथ अग्रसर

  रिपोर्ट को पढ़ने के लिए- https://bit.ly/2K1JH3e

गूँज कार्यालय में नए दिशानिर्देशों के अनुसार पहले की ही भांति पुरानी/नई सामग्रियों को स्वीकार किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए- www.goonj.org पर देखे।